## विचार बिन्दु

**विचित्र बात है कि सुख की अभिलाषा मेरे दुःख का एक अंश है। –खलील जिब्रान**

# राहुल गाँधी की भारत जोड़ो यात्रा के मायने

2014 के लोकसभा चुनाव के बाद जब से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है, तब से कांग्रेस की स्थिति निरंतर खराब होती गई है। इसका एक प्रमुख कारण कांग्रेस में प्रभावशाली एवं स्थाई नेतृत्व का न होना रहा है। एक बार राहुल गांधी अध्यक्ष बने भी, किंतु उसके कुछ ही समय बाद विधानसभा चुनाव में हार के पश्चात अध्यक्ष पद छोड दिया। सोनिया गांधी, तब से कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में काम कर रही हैं। वर्तमान में कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है जो 19 अक्टूबर को समाप्त हो जाएगी और संभवतया कांग्रेस को कोई नया स्थाई अध्यक्ष मिल जाएगा।

इस पूरी अवधि में प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेतागण कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते रहे हैं उनको ऐसा कहने का अवसर भी कांग्रेस के नेताओं ने ही दिया है जिन्होंने कई विवादास्पद बयान दिए एवं ऐसा लगा कि कांग्रेस में नेतृत्व की कमी है। कोई भी ऐसा नहीं है जो कांग्रेस पार्टी में उत्साह का संचार कर सके। कुछ क्षेत्रीय दल अवश्य अपने-अपने राज्यों में प्रभावी रूप से उभर कर सामने आए हैं, जैसे– दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी, उड़ीसा में बीजू जनता दल, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तेलंगाना में टीआरएस (अब इसका नाम बदल कर भारत राष्ट्र समिति कर दिया गया है) आदि। ऐसा लगने लगा था कि जैसे कांग्रेस प्रमुख विपक्षी राष्ट्रीय दल की भूमिका प्रभावी रूप से निभाने में असमर्थ होती जा रही है।

ऐसी परिस्थितियों में जब कांग्रेस की लोकप्रियता निम्नतम स्तर पर पहुंच चुकी थी एवं इसके कई प्रमुख नेता धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी एवं अन्य दलों में शामिल हो गए, भारत जोड़ो यात्रा प्रारंभ हुई है। अब जरा देखें कि इस यात्रा के देश और कांग्रेस के लिए मायने क्या हैं?

7 सितंबर, 2022 से राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक की प्रारंभ की है। यह पद यात्रा 3500 किलोमीटर की है, जिसे 150 दिनों में पूरा किया जायगा और यह 12 राज्यों से होकर गुजरेगी। अब तक एक माह से अधिक समय में लगभग 700 किलोमीटर की यात्रा हो चुकी है। राहुल गांधी प्रतिदिन लगभग 20 से 25 किलोमीटर पैदल चलते हैं। उनके साथ अलग-अलग स्थानों पर स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में जुड़ रहे हैं। वे जनसभा को संबोधित करते हैं।

इस यात्रा में कई बातें पहली बार देखने को मिल रही हैं। लोग, जिनमें युवा, महिलाएँ, बच्चे भी सम्मिलित हैं, स्वयं -स्फूर्त इसमें जुड़ रहे हैं। यह दृश्य उन सब रैलियों के दृश्यों से अलग है जहां हजारों की संख्या में लोगों को ट्रकों और बसों में भर कर लाया जाता है जिनमे अधिकांश तो विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी और नरेगा श्रमिक होते हैं।

इस यात्रा को अनेक स्वैच्छिक संगठनों का समर्थन प्राप्त है। 7 अक्टूबर को सोनिया गांधी भी इस यात्रा में शामिल हुईं। ऐसी संभावना है कि इस यात्रा से कांग्रेस में उत्साह का संचार होगा, जिसकी इस समय अत्यधिक आवश्यकता है। यात्रा के प्रारंभ होते ही भारतीय जनता पार्टी ने इसका मजाक बनाना प्रारंभ किया एवं राहुल गांधी के टी- शर्ट तक पर टिप्पणियां कीं। इसे भारत जोड़ो के बजाय कांग्रेस और परिवार जोड़ो यात्रा बता कर इसका मज़ाक बनाया गया।

यह बात सही है कि इस यात्रा का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं जैसे– महँगाई, बेरोज़गारी और विभाजित करने वाली ताकतों की ओर जनता का ध्यान आकर्षित करना है। यात्रा वैसे तो राजनीतिक नहीं है, किंतु जब राजनीतिक दल के प्रमुख नेता इसका नेतृत्व कर रहे हैं तो फिर इसे राजनीतिक कहने में किसी को कोई संकोच नहीं होना चाहिए। केरल के बाद यात्रा ने कर्नाटक में प्रवेश किया तो लोगों को शंका थी कि कर्नाटक में इसको समर्थन नहीं मिलेगा एवं इसका विरोध भी होगा, क्योंकि वहां भाजपा की सरकार है। किंतु ऐसा कुछ नहीं हुआ और यात्रा यथावत जारी है।

इस यात्रा के कुछ महत्त्वपूर्ण दृश्यों और घटनाओं का उल्लेख करना उपयुक्त होगा।

कर्नाटक में एक स्थान पर तेज वर्षा के बीच राहुल गांधी के निरंतर जनता को संबोधित करने का दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। राहुल गांधी तेज बारिश के बीच हजारों की संख्या में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते रहे। लोग अपनी कुर्सियों को उल्टा करके बारिश से अपने आप को बचाते हुए दिखाई दिए, किंतु वे लगातार भाषण सुनते रहे। यह उल्लेखनीय है कि कर्नाटक में अधिकांश जनता कन्नड भाषी है एवं उन्हें राहुल गांधी की भाषा समझ में नहीं आ रही होगी, हालांकि उनके भाषण का कन्नड में अनुवाद भी साथ-साथ किया जा रहा था।

**कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा साम्प्रदायिक वैमनस्य और हिंसा के विरुद्ध सदभावना, भाइचारे का वातावरण बनाने के साथ ही आम जन की असली समस्याओं जैसे– गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई की ओर देश का ध्यान आकर्षित करने में सफल रही है।**

यात्रा में यह देखा गया कि उनके साथ चल रही एक छोटी बालिका के जूते का फीता खुलने पर राहुल गांधी ने बड़ी सहजतापूर्वक स्वयं उसके फीते को बांधा। इसी प्रकार सोनिया गांधी के जूते के फीते को बांधने का वीडियो बहुत वायरल हुआ है। ये दृश्य राहुल गांधी को एक संवेदनशील व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं एवं साथ ही साधारण जनता से जुड़ाव मजबूत हो रहा है।

राहुल गांधी की भारत यात्रा जिसे प्रारंभ में भारतीय जनता पार्टी ने बहुत हल्के में लिया था अब उसका प्रभाव भारतीय जनता पार्टी पर भी होने लगा है उनके नेता एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख भी अपने भाषणों में सांप्रदायिक सद्भाव की बात करने लगे हैं। इस यात्रा के प्रारंभ होने के पश्चात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मस्जिदों में जाकर मुस्लिम नेताओं से चर्चा की। साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ही महासचिव हौसबोले ने सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि बेरोजगारी और महंगाई की समस्या वास्तव में विकट है और इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इस भारत जोड़ो यात्रा के कारण राहुल गांधी को भाजपा द्वारा दिए गए 'पप्पू' जैसे विशेषण स्वतः खारिज हो गए हैं।

राहुल गांधी जो बात कह रहे हैं, वही देश का सामान्य नागरिक भी अनुभव कर रहा है। जब लोग अपने मन की बात किसी नेता के मुंह से निरंतर सुनते हैं तो उससे उनका जुड़ाव होना स्वाभाविक है। यह प्रधानमंत्री की वक्तृत्व कला का प्रभाव है कि उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं दिखाई देती है। बेरोजगारी एवं महंगाई में काफी बढ़ोतरी हुई एवं जनता कई प्रकार की समस्याओं से त्रस्त है। वहीं पर राष्ट्रीय गौरव की बात करके एवं अन्य महत्वहीन मुद्दों को सामने लाकर, इन मूल समस्याओं से ध्यान भटकाने में सत्ताधारी दल अब तक सफल रहा है।

भारत जोड़ो यात्रा अब तक सामान्य नागरिक के दिलों को छूने में सफल रही, ऐसा लगता है। यदि अन्य दलों के नेता भी इस यात्रा के महत्व को समझें तो देश के लिए अधिक उपयुक्त होगा। काँग्रेस का अध्यक्ष कोई भी बन जाए, यह निर्विवाद है कि काँग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी ही रहेंगे। भारतीय जनता पार्टी का अब तक निरंतर यह प्रयास रहा है कि प्रत्येक चुनाव को मोदी बनाम राहुल गांधी का बना दिया जाय। ऐसा करके वे हमेशा लाभ में भी रहे हैं।

भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी यह सावधानी अब तक बरत रहे हैं कि वह सीधे मोदी पर व्यक्तिगत आक्रमण करने के स्थान पर मुद्दों की बात कर रहे हैं, और विशेष रूप से उन मुद्दों की, जिनसे देश का युवा, गरीब, किसान एवं महिलाएं त्रस्त हैं। यदि पूरी यात्रा में वे इसी प्रकार की सावधानी बरतने में सफल रहते हैं और केवल पूरे देश के एक जुटता की बात करते हैं, तो निश्चित रूप से आगामी विधानसभा चुनाव एवं बाद में 2024 के लोकसभा चुनाव में काँग्रेस को इससे लाभ भी मिल सकता है। हालांकि ऐसा कुछ भी कहना अभी जल्दबाजी होगी। यदि इसी प्रकार का माहौल भारत जोड़ो यात्रा के प्रति बना रहा और यह यात्रा अपनी पूरी अवधि पूरा करती है तो काँग्रेस के लिए एक प्रमुख राष्ट्रीय दल की भूमिका अधिक सुदृढ़ हो जाएगी। अब तक तो यहां तक स्थिति बन चुकी थी कि कुछ क्षेत्रीय दलों के नेता, राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में अपनी महत्वाकांक्षा न केवल रखने लगे थे अपितु उन्हें सार्वजनिक भी करते रहे, चाहे वह ममता बनर्जी हों या केसीआर या फिर नीतीश कुमार।

इस भारत जोड़ो यात्रा के बाद स्पष्ट हो पाएगा कि क्या काँग्रेस सभी विपक्षी दलों के बीच प्रमुख समन्वयक के रुप में कर पाएगी? उसे अन्य दलों के साथ समझौता न करने की नीति को लचीला बनाना होगा एवं एक सशक्त संगठित विपक्ष के रूप में आगामी चुनाव में चुनौती प्रस्तुत करनी होगी।

यह सही है कि भारतीय जनता पार्टी जैसा मजबूत संगठन, धरातल के स्तर पर काँग्रेस के पास नहीं है। इस यात्रा के पश्चात यह संभावना है कि कई पुराने काँग्रेसी जो स्वयं को उपेक्षित महसूस करने लग गए थे, वे अब राहुल गांधी में एक प्रभावी नेता की छवि देखना प्रारंभ करें एवं पुनः सक्रिय हो जायें।

यह देखना दिलचस्प होगा कि इस यात्रा को भारतीय जनता पार्टी किस प्रकार से हाशिए पर रख सकती है एवं किस प्रकार काँग्रेस पार्टी समाचारों में प्रमुखता के साथ देश के सम्मुख प्रस्तुत करती है? आजकल सोशल मीडिया भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राहुल गांधी के जो वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, उनसे राहुल गाँधी की छवि एक सरल, सहज, सम्वेदनशील, आम व्यक्ति से भावनात्मक सम्बंध जोड़ने वाले व्यक्ति के रूप में उभर कर सामने आई है। इसका असली प्रभाव तो गुजरात और हिमाचल के आने वाले चुनाव परिणाम ही बताएंगे। जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी में अध्यक्ष कोई भी हो, नेता नरेंद्र मोदी ही रहेंगे, उसी प्रकार काँग्रेस अध्यक्ष कोई भी हो, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में काँग्रेस की ओर से राहुल गांधी ही देश के समक्ष विकल्प के रूप में रहेंगे।

काँग्रेस को आगामी एक वर्ष तक, प्रत्येक कदम पूरी सावधानी पूर्वक उठाना होगा और अपनी आंतरिक समस्याओं और झगड़ों से मुक्ति पानी होगी। जो स्थिति राजस्थान में फिलहाल बन रही है, वह तो इस प्रकार का संकेत देती है कि अब राष्ट्रीय नेतृत्व राज्यों के विभिन्न गुटों को एक साथ रखने में समर्थ नहीं हो पा रहा है। यदि ऐसी ही स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो, भारत जोड़ो यात्रा का कोई चुनावी लाभ काँग्रेस को नहीं मिलेगा।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा साम्प्रदायिक वैमनस्य और हिंसा के विरुद्ध सद्भावना, भाइचारे का वातावरण बनाने के साथ ही आम जन की असली समस्याओं जैसे– गरीबी, बेरोजगारी और महँगाई की ओर देश का ध्यान आकर्षित करने में सफल रही है।

**–अतिथि सम्पादक,**
**राजेन्द्र भाणावत**
**( पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी )**

# गांधी जी की वैचारिक विरासत

"मैं ऐसे भारत के लिए कोशिश करूंगा जिसमें गरीब से गरीब लोग भी यह महसूस करेंगे कि वह उनका देश है– जिसके निर्माण में उनकी आवाज का महत्व है। मैं ऐसे भारत के लिए कोशिश करूंगा, जिसमें ऊंचे और नीचे वर्गों का भेद नहीं होगा और जिसमें विविध संप्रदायों में पूरा मेलजोल होगा। उसमें स्त्रियों को वही अधिकार होंगे,जो पुरुषों को। चूंकि शेष सारी दुनिया के साथ हमारा संबंध शांति का होगा यानी न तो हम किसी का शोषण करेंगे और न किसी के द्वारा अपना शोषण होने देंगे, इसलिए हमारी सेना छोटी से छोटी होगी। ऐसे सब हितों का जिनका करोड़ों मूक लोगों के हितों से कोई विरोध नहीं है, पूरा सम्मान किया जाएगा, फिर वे देशी हो या विदेशी। अपने लिए तो मैं यह भी कह सकता हूं कि मैं देसी और विदेशी के फर्क से नफरत करता हूँ। यह है मेरे सपनों का भारत।... इससे भिन्न किसी चीज से मुझे संतोष नहीं होगा...."

"मेरे...सपनों के स्वराज में जाति (रेस) या धर्म के भेदों को कोई स्थान नहीं हो सकता। उस पर शिक्षितों या धनवानों का आधिपत्य नहीं होगा। सब की गिनती में किसान तो आते ही हैं किंतु लूले, लंगड़े, अंधे और भूख से मरने वाले लाखों-करोड़ों मेहनतकश मजदूर भी अवश्य आते हैं।....कुछ लोग ऐसा कहते हैं कि भारतीय स्वराज्य तो ज्यादा संख्या वाले समाज का यानी हिंदुओं का ही राज्य होगा। इस मान्यता से ज्यादा बड़ी कोई दूसरी गलती नहीं हो सकती। अगर यह सही सिद्ध हो तो अपने लिए तो मैं ऐसा कह सकता हूं कि मैं उसे स्वराज मानने से इंकार कर दूंगा और अपनी सारी शक्ति लगाकर उसका विरोध करूंगा। मेरे लिए हिंद स्वराज का अर्थ सब लोगों का राज्य है, न्याय का राज्य है।" यह है गांधी के सपनों का भारत, गांधी का आइडिया ऑफ इंडिया।

गांधी जी के पिता श्री करमचंद गांधी काठियावाड़ की रियासत के दीवान थे। 10वीं क्लास तक गांधी जी की शिक्षा पोरबंदर में हुई। उसके बाद कानून की पढाई के लिए उन्हें इंग्लैंड भेज दिया। 1891 में गाँधी बैरिस्टर बनकर इंडिया लौट आये, लेकिन वकालत में यहां उन्हें कोई विशेष सफलता नहीं मिली। अंततः दादा अब्दुल्ला एंड कंपनी नामक व्यापारिक संस्था में दक्षिण अफ्रीका के लिए कानूनी कार्य की देखरेख के लिए गांधीजी दक्षिण अफ्रीका के डरबन शहर चले गए। दक्षिण अफ्रीका में गांधीजी सन 1914 तक रहे। 1915 में इंडिया लोटे।

अफ्रीका की गोरी सरकार की रंगभेद की नीति का इन्हें निजी एहसास हुआ। अन्याय, अत्याचार और दमन के विरुद्ध अहिंसक सत्याग्रह आंदोलनों का संचालन किया। दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान ही गांधीजी ने इंडियन ओपिनियन नामक प्रसिद्ध पत्र का प्रकाशन शुरू किया। दक्षिण अफ्रीका में ही गांधीजी ने 1909 में अपनी प्रसिद्ध रचना हिन्द स्वराज की रचना की।

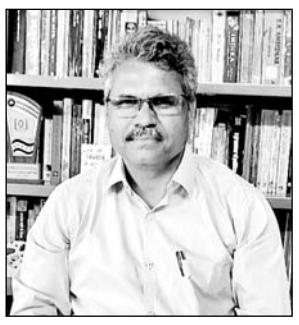

डॉ.रमेश बैरवा

1915 में भारत लौटने के बाद गाँधीजी ने अहमदाबाद की सावरमती नदी के किनारे प्रसिद्ध साबरमती आश्रम की स्थापना की। आज़ादी के आंदोलन के दौरान यह आश्रम सत्याग्रहियों के लिए शरण एवं प्रशिक्षण स्थल बना। गांधी ने भारत की आज़ादी के आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया। जेल भी गए। आज़ादी मिलने के बाद गांधी कांग्रेस के स्थान पर लोक सेवक संघ का गठन चाहते थे। प्रार्थना सभा में जाते वक्त 30 जनवरी,1948 को नाथूराम गोडसे नामक सांप्रदायिक,हिन्दू कट्टरपंथी ने गोलियां दागकर गांधी जी की जान ले ली। गांधी जी की मृत्यु के समय महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आईंस्टीन ने कहा था कि "आगे आने वाली पीढियां शायद ही विश्वास कर सकेंगी कि उन जैसे हाड-मांस का पुतला कभी इस भूमि पर पैदा हुआ था।"

**■ "मेरे...सपनों के स्वराज में जाति या धर्म के भेदों को कोई स्थान नहीं हो सकता"**

बौद्ध धर्म के शांति एवं अहिंसा, इस्लाम धर्म के भाईचारे, श्रीमद्भगवत गीता, रामायण के अलावा गाँधीजी पर लियो टॉलस्टॉय की द किंगडम ऑफ गॉड इज विदिन यू अर्थात स्वर्ग तुम्हारे भीतर है एवं वार एंड पीस, हेनरी डेविड थोरो की रचना ऑन द ड्यूटी ऑफ सिविल डिसओबेडेन्स,जॉन रस्किन की अनटू दिस लास्ट, जिसका अनुवाद गांधी जी ने सर्वोदय के नाम से गुजराती में किया था, से प्रमुख रूप से प्रभावित। गांधी जी की रचनाओं में 1909 में लिखित हिन्द स्वराज, सत्य के साथ मेरे प्रयोग नाम से आत्मकथा, सर्वोदय एवं दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास नाम से प्रमुख रचनाएं हैं।

गांधीजी एक ऐसी दुनिया चाहते थे जिसमें अन्याय एवं असमानता नहीं हो। जुल्म व ज्यादती नहीं हो। हिंसा नहीं हो। युद्ध नहीं हो। हथियारों की होड़ नहीं हो। शांति एवं सद्भाव हो। सही मायने में "वसुधैव कुटुंबकम की भावना हो। दूसरे देशों के प्रति नफरत नहीं हो अर्थात संकीर्ण राष्ट्रवाद नहीं हो। प्रकृति संतुलन बना रहे। गांव व गरीब का विकास हो। श्रम की गरिमा हो। शिक्षा का मकसद सिर्फ केरियर निर्माण ही नहीं बल्कि चरित्र का निर्माण करना भी हो। राजनीति का मकसद जनसेवा हो। राजनीति में नैतिकता हो। भ्रष्टाचार व व्यभचार नहीं हो। राजनीति में धनबल व बाहुबल नहीं हो।

देखा जाए तो गांधीजी की वैचारिक विरासत आज खतरे में है, जिसकी सबसे बड़ी वजह है कारपोरेट परस्त अर्थनीति एवं विभाजन की साम्प्रदायिक राजनीति का वैचारिक गठबंधन। साथ ही बढ़ती हिंसा, बढ़ती पूंजीवादी लूट, सांप्रदायिकता एवं संकीर्ण राष्ट्रवाद, संविधान एवं लोकतंत्र पर बढ़ते हमले, पर्यावरण असंतुलन एवं तेजी से बढ़ता नैतिक पतन विशेषकर राजनीति में तेजी से बढ़ता धनबल, अपराधीकरण, दलबदल एवं भ्रष्टाचार गांधी जी के सहिष्णु व समावेशी भारत के आइडिया ऑफ इण्डिया के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। यह भी गौरतलब है कि सादगी, सहजता एवं शांतिपूर्ण जीवन की गांधीवादी जीवन शैली असल में देश के शैक्षणिक परिसरों में तो दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जे एन यू में ही ज्यादा नजर आती है। यह अलग बात है कि जे एन यू की छात्र राजनीति वैचारिक तौर पर बड़े स्तर पर मार्क्सवादी विचारधारा से ओतप्रेत है, अर्थात व्यक्तिगत जिंदगी में गांधी की सादगी और विचारधारा में वामपंथ! खैर, आज जरूरत है गांधी की वैचारिक विरासत को बचाने की।

**डॉ.रमेश बैरवा,**
**विभागाध्यक्ष, राजनीति**
**विज्ञान कला**
**महाविद्यालय, अलवर**

# लगातार हो रही बारिश से कच्चा मकान गिरा

मकान गिरने के बाद मलबे में दबा सामान।

**कोटपूतली**, (निसं)। कस्बे के मौहल्ला बडाबास में एक दो मंजिला खंडर भवन पिछले दो दिन से हो रही बारिस के चलते भर-भराकर गिर गया। उल्लेखनीय है कि मौहल्लेवासियों द्वारा एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर भवन को गिराने की मांग की गई थी। जिस पर एसडीएम ने नगर परिषद् को तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये थे।

तुलसीराम दर्जी ने बताया कि स्थानीय नागरिकों द्वारा पूर्व में एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर उक्त भवन को गिराने की मांग की गई थी। उक्त भवन में कोई भी व्यक्ति निवास नहीं करता है एवं भवन को बजाज वालों की हवेली के नाम से जाना जाता है जो कभी भी गिर सकती है। इस पर एसडीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वर्ष 2021 में तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये थे। लेकिन नगर परिषद् द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। वहीं दो दिन से लगातार हो रही बारिस के चलते सोमवार को उक्त भवन गिर गया। जिससे भवन के पास स्थित दिनेश कुमार सैनी की मोटरसाइकिल भवन के मलबे में दब गई एवं मकान में भवन का मलबा घुस गया।

# एडवोकेट ने पौने चार लाख रूपये लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया

**गुड़ामालानी**, (निसं)। गुड़ामालानी के सब्जी मंडी में सब्जी लेने आए ग्राहकों की भीड़ भाड़ के चलते एक व्यापारी के पैसों कि थैली कोई दुसरा सब्जी समझकर घर ले गया। बाद में वापस सब्जी मंडी पहुंचकर थैली वापस व्यापारी को सुपुर्द की गई।

सोमवार सुबह सब्जी मंडी मैं सब्जी लेने आए ग्राहकों की भीड़ भाड के दौरान कृषि मंडी व्यापारी अभय कुमार सिंधवी सब्जी खरीदने दुकान पर गए थे । इस दौरान उनके पास तीन लाख सत्तर हजार रुपए प्लास्टिक की थैली में रखे हुए थे। व्यापारी ने पैसों कि थैली सब्जी पर रख दी। पास में खडे सब्जी लेने आए एडवोकेट भभुतसिंह भाटी निवासी तेजमालता जैसलमेर जो एक जैसी थैलीया होने के कारण पैसों कि थैली साथ लेकर अपने घर चले गए। कुछ घण्टों बाद एडवोकेट भभुतसिह भाटी सब्जी दुकानदार सरुपचद आचार्य से पास आकर उन्होंने पैसे की थैली कि बात कि ओर व्यापारी से सम्पर्क कर इमानदारी का परिचय देते हुए उनको तीन लाख सत्तर हजार रुपए वापस सुपुर्द किया । एडवोकेट की ईमानदारी को देखते हुए उपखंड अधिकारी प्रमोद कुमार चौधरी, थाना प्रभारी रमेश ढाका, व्यापार मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम जैन के द्वारा साफा पहनाकर स्वागत कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

एडवोकेट भभूतसिंह भाटी ने तीन लाख सत्तर हजार रूपये लौटाये।

इस दौरान ठाकुर हेमंत सिंह राठौड़, पारसमल मालू,मिश्रीमल राजपुरोहित, पूनमाराम विश्नोई, डालूराम चौधरी, मोहनलाल विश्नोई, रोशनलाल चौधरी, रामजीवन विश्नोई, चिमनसिंह चौधरी, राजेश जाती, पप्पूराम सहित कृषि मंडी व्यापारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## हिन्द केसरी कुश्ती दंगल 9 दिसम्बर से

**भरतपुर** (निस)। 51वां हिन्द केसरी पुरूष, 5 वां महिला हिन्द केसरी व राष्ट्रीय चेम्पियनशिप कुश्ती प्रतियोगिता 9-10-11 दिसम्बर को हैदराबाद में कराने का निर्णय भारतीय कुश्ती संघ की राष्ट्रीय मीटिंग बहादुर गढ़ हरियाणा में लिया। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष नफे सिंह राठी ने की।

महासचिव गौरव सचदेवा के प्रस्ताव का मौजूद सभी पदाधिकारियों ने समर्थन किया। मीटिंग राजस्थान से चुन्नी कप्तान भरतपुर चेयरमैन राजस्थान कुश्ती संघ, संजय शर्मा सचिव कोटा ने हिस्सा लिया। मीटिंग में सभी पदाधिकारियों ने चुन्नी कप्तान को राजस्थान राज्य वरिष्ठ नागरिक बोर्ड का सदस्य मनोनीत होने पर गौरइया टयूरिस्ट होटल में साफा माला पहनाकर स्वागत किया। नाथद्वारा में आयोजित दादू पहलवान की स्मृति में महान राजस्थान केसरी का खिताब कुशपाल ग्राम फुलवारा भरतपुर ने जीता। वहां से आने पर भरतपुर जिला कुश्ती संघ द्वारा आज श्री भूरी सिंह व्यायामशाला पर कुशपाल पहलवान का चुन्नी कप्तान व अन्य पहलवानों ने साफा, माला व शील्ड देकर सम्मान किया।

# हिंगोनिया में देवनारायण मन्दिर से पांच मूर्तियां चोरी

**मांडलगढ़** (निसं)। मांडलगढ़ उपखण्ड के बीगोद थाना क्षेत्र के हिंगोनिया गांव में प्राचीन देवनारायण भगवान मन्दिर से अज्ञात बदमाश शनिवार रात्रि में पांच मूर्तियां चोरी कर ले गए। ग्रामीणों की मांग के बाद बीगोद थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस से जानकारी के मुताबिक मांडलगढ़ क्षेत्र के धाकड़ खेड़ी ग्राम पंचायत के हिंगोनिया गांव में शनिवार रात को गुवाडी के देवनारायण भगवान मन्दिर से पांच

**■ बदमाश मन्दिर में स्थापित दो प्राचीन मूर्तियों को छोड़ गए**

मूर्तियां अज्ञात चोर ले उड़े। ग्रामवासी रविवार सुबह दर्शन के लिए गए जब मन्दिर से मूर्तियां चोरी का पता चला। वारदात की खबर गांव में फैलते ही ग्राम वासियों में हड़कंप मच गया। लोगों में भारी आक्रोश उत्पन्न हो गया। मन्दिर के सेवक ने बीगोद थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। बीगोद थानाधिकारी मूलचंद पुलिस टीम के साथ वारदात स्थल पर पहुँचे और मन्दिर के आस-पास छानबीन की तथा वारदात के तरीके को बारीकी से जाना। पुलिस ने कुछ संदिग्धों से भी पूछताछ की। लेकिन अभी तक पुलिस को कोई सुराग हाथ नहीं लगा हैं।

देवनारायण मन्दिर से पांच मूर्तियां चोरी होने के बाद लोगों ने विरोध प्रकट किया।

सोमवार को भगवान देवनारायण मन्दिर के स्थान पर ग्रामवासी ने जाजम बिछाकर 10 दिन के लिए धरने पर बैठने का फैसला किया। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक चोरी गई मूर्तियां वापस नही आ जाती हैं तब तक धरना जारी रहेगा। ग्रामीण रामनारायण जाट ने बताया कि पूर्व में देवनारायण भगवान का 300 साल पुराना कच्चा देवरा था जिस पर दो मूर्तियां विराजित थी। इसके बाद आज से करीब 15 साल पहले पक्का देवरा बनाकर उस पर पांच मूर्तियां नई विराजित की गई।

## राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

**मंगलवार 11 अक्टूबर, 2022**

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, अश्विनी नक्षत्र सांय 4:17 तक, हर्षण योग दिन 3:16 तक, तैतिल करण दिन 1:34 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थितिः** सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कन्या, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से सांय 4:17 तक है। राजयोग सांय 4:17 से आरम्भ होगा। आज अशून्य शयन व्रत है।

**श्रेष्ठ चौघड़ियाः** चर 9:21 से 10:47 तक, लाभ-अमृत 10:47 से 1:40 तक, शुभ 3:07 से 4:33 तक।

**राहूकालः** 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:28, सूर्यास्त 5:59

### मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

### वृष

अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

### मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

### कर्क

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

### सिंह

शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों टालना पड़ सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से आपसी अनबन हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

### कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

### तुला

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

### वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### धनु

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा है। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

### मकर

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

### मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।